जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
संस्कृत–विभाग

बी.ए. द्वितीय वर्ष 2019–20
संस्कृत

नोटः इस परीक्षा में दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम प्रश्न–पत्र
काव्य, स्मृतिशास्त्र तथा संस्कृत–साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम :–

इकाई 1 : किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) भारवि
इकाई 2 : मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय 1 से 150 श्लोक) मनु
इकाई 3 : नीतिशतकम् : भर्तहरि
इकाई 4 : वाल्मीकि रामायण का बालकाण्ड (प्रथम सर्ग) तथा महाभारत का शान्तिपर्व (अध्याय 192) (गीताप्रेस गोरखपुर)
इकाई 5 : संस्कृत साहित्य का इतिहास –
महाकाव्य : कालिदास, अश्वघोष, माघ, श्रीहर्ष
गद्यसाहित्य : बाण, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्त व्यास
गीतिकाव्य : मेघदूत, गीतगोविन्द, नीति शतक

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – **20 अंक**
1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – **35 अंक**
1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं। 3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – **45 अंक**
1. प्रत्यक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

Arya Ramayan (Balkand) : Goodbole Keshav Vinayak, Pune, 1962

Helpstudentpoint.com

Kale, M.R.: Kiratarjuniayam, Motilal Banarasidas, New Delhi, 1977
जनार्दन : किरातार्जुनीयम्, प्रथम सर्ग, व्याख्या–मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
शर्मा, प्रो. मदनमोहन एवं तनेजा, डॉ. सुभाषः किरातार्जुनीयम्, प्रथम सर्ग, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
वी. राघवन् : The Manusmriti
मनुस्मृति : मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
मनुस्मृति : (मणिप्रभा हिन्दी टीकोपेता) – चौखम्बा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
गाडगिल, ए.एल, : वाल्मीकि रामायण, भाग प्रथम, सम्पादन, श्री रामकोश मण्डल, पुणे, 1982
संस्कृतसाहित्येतिहास : हंसराज अग्रवाल, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
संस्कृतसाहित्येतिहास : विश्वनाथ शास्त्री भारद्वाज, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
उपाध्याय, डॉ. बलदेव : संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाण्डेय, चन्द्रशेखर : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा
व्यास, भोलाशंकर : संस्कृत कविदर्शन
गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा : संस्कृत साहित्य का इतिहास
संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास : प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

द्वितीय प्रश्न–पत्र
गद्य, व्याकरण, अलंकार तथा भारतीय संस्कृति

नोट – प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 : शुकनासोपदेश (कादम्बरी) बाणभट्ट
इकाई 2 : शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) अम्बिकादत्त व्यास
इकाई 3 : अच् सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
इकाई 4 : हल् सन्धि और विसर्ग सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी)
इकाई 5 : (अ) अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा।
(ब) भारतीय संस्कृति – विशेषता, संस्कार, वर्णव्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय तथा पुराकालीन भारतीय शिक्षापद्धति।

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों क उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं। 3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

Helpstudentpoint.com

खण्ड 'स' — **45 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

शुकनासोपदेश (कादम्बरी) : प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लछमनदास, दिल्ली, 1974
शुकनासोपदेश (कादम्बरी) : सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्या, रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियण्टालिया, वाराणसी, 1978
शुकनासोपदेश (कादम्बरी) : श्रीमती सुदेश नारंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
शिवराजविजय (अम्बिकादत्त व्यास) : व्यास पुस्तकालय मानमन्दिर, काशी
लघुसिद्धान्तकौमुदी : महेशसिंह कुशवाह
संस्कृत व्याकरण : श्रीनिवास शास्त्री
काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) : कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
भारतस्य सांस्कृतिको निधिः रामजी उपाध्याय
भारतीय संस्कृति : श्री कृष्ण ओझा
भारतीय संस्कृति : शिवदत्त ज्ञानी
भारतीय संस्कृति : प्रीति प्रभा गोयल
भारतीय संस्कृति–सौरभम् :रामजी उपाध्याय, भारतीय संस्कृति संस्थान, महामनापुरी, वाराणसी–5
Sanskrit Grammar : With an English Version, MLBD, Delhi, 1981
Sanskrit Grammar : (मर्म प्रकाशिका) English Translation, M.R. Kale, MLBD, Delhi, 1976

Helpstudentpoint.com